सांसे हो रही हैं कम, आओ पेड़ लगायें हम

शाश्वत कृषि और वानिकी तंत्र अपनाए।
बेहतर तथा समृद्ध भविष्य पाए।

अनोखी विपणन प्रणाली: कंपनी की हरितगृहों से पौधे सीधे आपके खेत पर पहुँचाए जाते है।
कोई अतिरिक्त परिवहल शुल्क नहीं लिया जाता।

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

KAUSHAL KISAN

GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

संतरा की खेती

संतरे की खेती रसदार फलों के रूप में की जाती है. इसके फलों को नींबू वर्गीय फलों में गिना जाता है. केला और आम के बाद भारत में संतेरे को सबसे ज्यादा उगाया जाता है. संतरे का मुख्य रूप से खाने में इस्तेमाल किया जाता हैं. खाने के रूप में इसे छीलकर और जूस निकालकर खाया जाता है. संतरे के रस को पीने के कई गुणकारी फायदें हैं. इसका रस शरीर को शीतलता प्रदान कर थकान और तनाव को दूर करता है. इसका फल कई तरह की बीमारियों में भी लाभदायक है. संतरे के जूस से जैम और जेली का निर्माण किया जाता है.

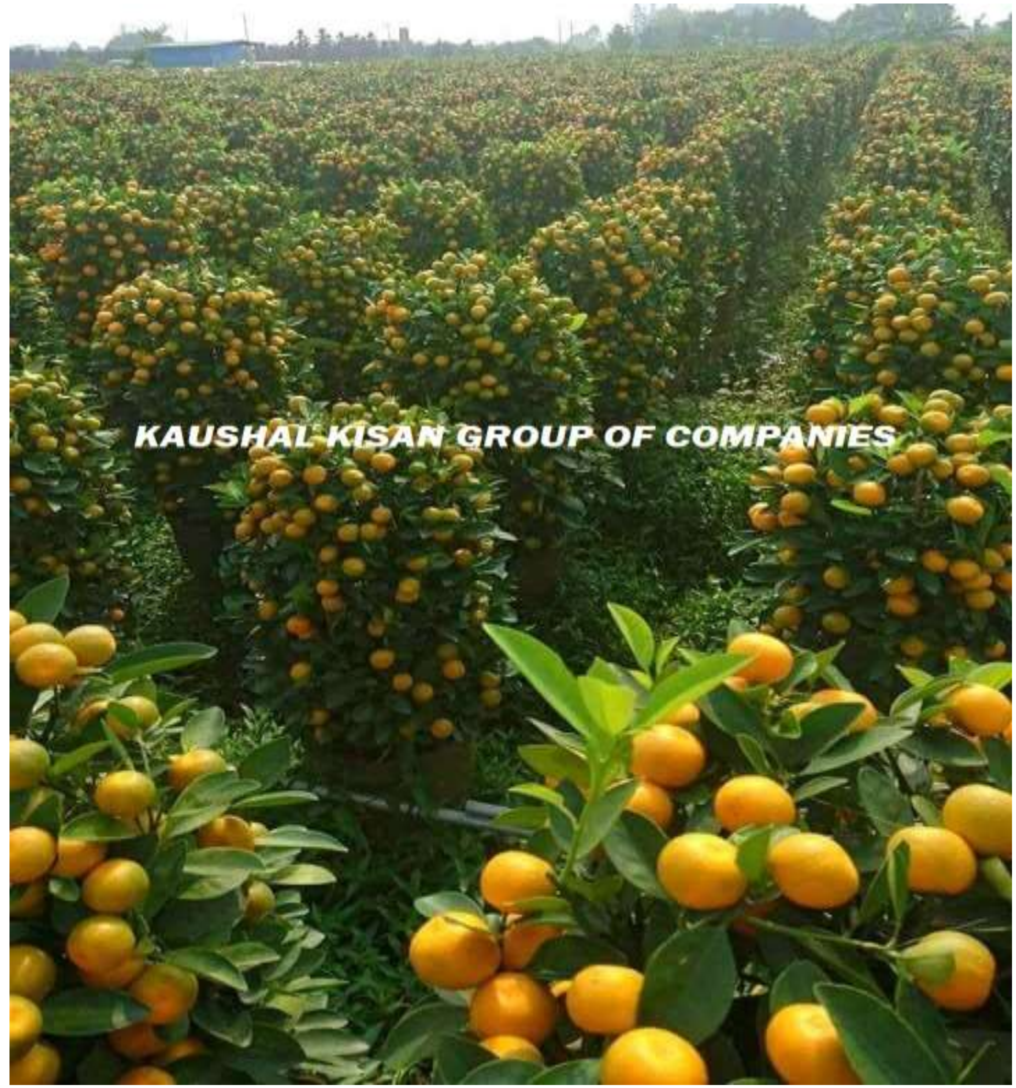

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

उपयुक्त मिट्टी

संतरे की खेती के जलभराव वाली भूमि उपयुक्त नही होती. इसके पौधे उचित जल निकासी वाली हलकी दोमट मिट्टी में अच्छी पैदावार देते हैं. इसकी खेती के लिए जमीन का पी.एच. मान 6.5 से 8 के बीच होना चाहिए.

KAUSHAL KISAN
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

जलवायु और तापमान

संतरे की खेती के लिए शुष्क और उष्ण जलवायु उपयुक्त होती है. इसके पौधों को बारिश की ज्यादा जरूरत नही होती. इसके पौधे सदी के मौसम में अधिक प्रभावित होते हैं. और सर्दियों में पड़ने वाला पाला इसकी खेती के लिए नुकसानदायक होता है. इसकी खेती के लिए हलकी गर्मी ज्यादा उपयुक्त होती है. इसके फलों को पकने के लिए धूप की जरूरत होती है.

इसकी खेती के लिए शुरुआत में पौधों की रोपाई के दौरान 20 से 25 डिग्री के बीच तापमान उपयुक्त होता है. उसके बाद पौधों को विकास करने के लिए 30 डिग्री के आसपास तापमान की आवश्यकता होती है. सर्दियों में न्यूनतम 10 और गर्मियों में अधिकतम 35 डिग्री तापमान इसकी खेती के लिए उपयुक्त होता है.

www.kaushalkisangroup.com

उन्नत किस्में

1. सिक्किम

संतरे की इस किस्म को खासी के नाम से भी जाना जाता है. इस किस्म के पौधे ज्यादातर पूर्वी भारत में उगाये जाते हैं. इस किस्म के पौधे की शाखाएं कांटेदार और अधिक पत्तियों वाली होती है. इस किस्म के पौधे पर लगने वाले फल नर्म सतह वाले होते हैं. जिनका रंग थोड़ा हल्का पीला दिखाई देते हैं. इस किस्म के एक पौधे से एक बार में 80 किलो के आसपास पैदावार प्राप्त होतीं है. इसके फलों में बीज की मात्रा ज्यादा पाई जाती है.

2. कूर्ग

इस किस्म के पौधे सीधे और गहरे होते हैं. जिसके एक पौधे से एक बार में 80 से 100 किलो तक फल प्राप्त होते हैं. इस किस्म के फल आसानी से छील जाते हैं. जिसके अंदर 10 के आसपास कलियाँ पी जाती हैं. जिनमें बीज की मात्रा सबसे ज्यादा पाई जाती है. इस किस्म के फल फरवरी माह में पककर तैयार हो जाते हैं.

3. किन्नु

संतरे की ये एक संकर किस्म है. जिसको किंग और विलो लीफ के संकरण से तैयार किया गया है. इस किस्म के फलों का छिलका थोड़ा मोटा होता है. इस किस्म के फल अधिक रसीले होते हैं. जिस कारण इस किस्म के फलों का व्यापारिक महत्व ज्यादा है. इसके एक पौधे से एक बार में 100 किलो के आसपास फल प्राप्त किये जा सकते हैं. इसके फलों का रंग पीला दिखाई देता है. जो फूल खिलने के बाद जनवरी या फरवरी माह में पककर तैयार हो जाते हैं.

4. किन्नु नागपुर सीडलेस

संतरे की इस किस्म को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर सिट्रस में तैयार किया गया है. जो विदेशी पौधों के संकरण से तैयार की गई है. इस किस्म के पौधे नागपुरी संतरे की तरह अधिक उपज देने के लिए जाने जाते हैं. इस किस्म के फलों में बीज नही होते. जिसके फल पकने के बाद पीले दिखाई देते हैं.

5. नागपुरी

संतरे की ये एक अधिक पैदावार देने वाली किस्म है. जिसके फल पूरे भारत में पसंद किये जाते हैं. इसके पौधे खेत में लगाने के चार साल बाद पैदावार देना शुरू कर देते हैं. जिसके पूर्ण विकसित एक पौधे से एक बार में 120 से 150 किलो तक फल प्राप्त किये जा सकते हैं. इस किस्म के फल पकने के बाद पीले दिखाई देते हैं. इसके एक फल में लगभग 10 से 12 कलियाँ पाई जाती है. जिनमे रस की मात्रा अधिक होती है.

इनके अलावा और भी कई किस्में है. जिनको उनकी पैदावार के आधार पर कई जगह उगाया जा रहा है. जिनमें क्लेमेंटाइन, डेजी, जाफा, वाशिंगटन नेवल संतरा, कारा, दार्जिलिंग, सुमिथरा, नगर, बुटवल और डानक्य जैसी बहुत साड़ी किस्में मौजूद हैं.

KAUSHAL KISAN
BIO PLANTTEC PVT. LTD
GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN
(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खेत की तैयारी

संतरे के पौधे एक बार लगाने के बाद कई सालों तक पैदावार देते हैं. इसकी खेती के लिए शुरुआत में खेत में मौजूद पुरानी फसलों के अवशेषों को हटाकर खेत की गहरी जुताई कर दें. उसके बाद खेत में कल्टीवेटर के माध्यम से दो से तीन अच्छी तिरछी जुताई कर दें. जुताई के बाद खेत में पाटा लगाकर उसे समतल बना दे.

खेत को समतल बनाने के बाद उसमें 15 से 18 फिट की दूरी छोड़ते हुए पंक्तियों में गड्डे तैयार करें. गड्डों को तैयार करते वक्त इनका आकार एक मीटर चौड़ा और एक मीटर गहरा होना चाहिए. गड्डों को तैयार करने के बाद इन गड्डों में पुरानी गोबर की खाद को उचित मात्रा में मिट्टी में मिलाकर गड्डों में भरकर उनकी गहरी सिंचाई कर दें. सिंचाई करने के बाद गड्डों को पुलाव के माध्यम से ढक दें.

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

सिंचाई

संतरे के पौधों को शुरुआत में सिंचाई की ज्यादा जरूरत होती है. इसके लिए पौधे को पानी उचित मात्रा में देना चाहिए. इसके पौधों को खेत में लगाने के तुरंत बाद पानी दे देना चाहिए. उसके बाद गर्मियों के मौसम में पौधों को सप्ताह में एक बार पानी देना चाहिए. और सर्दियों के मौसम में इसके पौधों को एक महीने के अंतराल में पानी देना चाहिए. जब पौधा पूर्ण रूप से विकसित हो जाता है तब उसे साल में चार से पांच सिंचाई की ही जरूरत होती है. जो मुख्य रूप से पौधे पर फूल खिलने के टाइम की जाती है. जिससे फल अच्छे से बनते हैं.

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN

GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

उर्वरक की मात्रा

संतरे के पौधे को उर्वरक की काफी ज्यादा जरूरत होती है. इसके लिए पौधों को खेत में लगाने से पहले गड्ढों को तैयार करते वक्त 20 से 25 किलो पुरानी गोबर की खाद को मिट्टी में मिलाकर गड्ढों में भर देते हैं. उसके बाद जब पौधा तीन साल का हो जाए तब गोबर की खाद के साथ रासायनिक खाद के रूप में आधा किलो एन.पी.के. की मात्रा को पौधों को साल में तीन बार देनी चाहिए. जैसे जैसे पौधे का विकास होता जाता है. वैसे वैसे ही उर्वरक की मात्रा को बढ़ा देना चाहिए. इससे पौधा अच्छे से विकास करने लगता है.

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

खरपतवार नियंत्रण

संतरे के पौधों में खरपतवार नियंत्रण प्राकृतिक तरीके से नीलाई गुड़ाई कर ही करना चाहिए. इसके लिए पौधों की पहली गुड़ाई रोपाई के लगभग 20 से 25 दिन बाद कर देनी चाहिए. उसके बाद जब भी पौधे में खरपतवार नजर आयें तभी पौधों की गुड़ाई कर देनी चाहिए, इससे पौधों की जड़ों को हवा की मात्रा भी अच्छे से मिलती रहती है. और पौधा अच्छे से विकास भी करने लगता है. इसके अलावा अगर खेत में पौधों के बीच बाकी बची जमीन अगर खाली हो तो उसकी बारिश के मौसम के बाद सूखने पर जुताई कर देनी चाहिए. इससे खेत में और खरपतवार जन्म नही ले पाती है.

www.kaushalkisangroup.com

KAUSHAL KISAN

GROUP OF COMPANIES KAUSHAL KISAN

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

फलों की तुड़ाई

संतरे के फलों की तुड़ाई जनवरी से मार्च के महीने तक की जाती है. इस दौरान जब फलों का रंग पीला और आकर्षक दिखाई देने लगे तब उन्हें डंठल सहित काटकर अलग कर लेना चाहिए. इससे फल अधिक समय तक ताज़ा दिखाई देते हैं. फलों की तुडाई करने के बाद उन्हें साफ गिले कपड़े से पूंछकर छायादार जगहों में सूखा देते हैं. उसके बाद फलों को किसी हवादार बॉक्स में सूखी घास के साथ भर देते हैं. उसके बाद बॉक्स को बंद कर बाज़ार में बेचने के लिए भेज दिए जाते हैं.

www.kaushalkisangroup.com

सांसे हो रही हैं कम,
आओ पेड़ लगायें हम

कौशल किसान ग्रुप ऑफ़ कम्पनी द्वारा किसानों को मुफ्त में दी जाने वाली सेवाएं :-

- पौधों को किसानो के घर या खेत तक पहुंचाने के लिए मुफ्त वाहन सुविधा उपलब्ध करवाई जाती है।

- क्षतिग्रस्त पौधों की प्रतिस्थापना। यह सुबिधा सिर्फ एक बार के प्रतिस्थापन के लिए होती है ।

- २ साल तक कंपनी के कर्मचारियों द्वारा समय समय पर देखभाल की सुविधा दी जाती है।

- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए हमारे प्रतिनिधियों से मुफ्त तकनिकी सेवा फ़ोन द्वारा या ब्यक्तिगत रूप में ले सकते हैं

- किसी भी सुझाव या शिकायत के लिए कम्पनी का टोल फ्री नंबर उपलब्ध है -18001236246

www.kaushalkisangroup.com

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

(AN ISO 9001 : 2015 Certified Company)

Corp. Office : H.No. 265, Opp.Tejaji Ka Mandir,
Khedli Phatak, Kota Raj. - 324001 | Ph.: 0744 2323168

Branch Office : Plot.No. 194, R K Business Centre, Near, Shivaji Nagar, Nagpur, Maharashtra - 440010

Branch Office : Malaviya Chowk, Wing - B, 7th Floor, Ofiice No. 5, Gondal Road, Rajkot (GUG)

Branch Office : Near Agarwal Dharamshala, Sec. 11, Hiran Mangri, Udaipur Rajasthan - 313001

Toll Free No. 18001236246 | **Website :** www.kaushalkisan.com | www.navjeevanbio.com